Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVS-102

वास्तुशास्त्र के विविध आयाम

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. संहितागत विषयों का विवेचन कीजिये?

P.T.O.

Q.2. पञ्चांग किस कहते है? सविस्तार वर्णन कीजिये?

Q.3. वास्तुशास्त्र का परिचय विस्तार सहित समझाइये?

Q.4. गृहारम्भ में भूमिपरीक्षण का क्या महत्व है? विस्तृत वर्णन करें।

Q.5. भूमिशोधन की विधियों का वर्णन करें ?

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. आय के स्वरूप को प्रतिपादित करें?

Q.2. काल के स्वरूप का वर्णन करें?

Q.3. वास्तुशास्त्र के अनुसार वर्ग व काकिणी का सविस्तार वर्णन कीजिये?

Q.4. गृहनिर्माण में भूमि चयन किस प्रकार किया जाता है? विस्तार से समझाइये?

Q.5. ग्रामवास में लाभालाभ का विचार कैसे किया जाता है? समझाइये ?

Q.6. भूमिशोधन की विधियों का वर्णन करें?

Q.7. अहिबल चक्र क्या है? सविस्तार वर्णन कीजिये।

Q.8. पंचरूपात्मक होरा शास्त्र का परिचय दीजिये?

****